मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई

एम.ए. हिन्दी- भाग दो

संशोधित पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र का प्रारूप

1.	प्रश्न पत्र दो	- आधुनिक काव्य
	प्रश्न पत्र चार	- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
	प्रश्न पत्र छः	- काव्यशास्त्र एवं काव्यालोचन
	प्रश्न पत्र आठ (विकल्प सहित)	- जनसंचार माध्यम अथवा - दलित विमर्श एवं साहित्य अथवा - हिंदी नाटक

1. डॉ. शीतला प्रसाद दुबे (समन्वयक)
2. डॉ. सुधाकर मिश्र (सदस्य)
3. डॉ. विष्णु सरवदे (सदस्य)
4. डॉ. निर्मला त्रिपाठी (सदस्य)
5. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
6. डॉ. सुनिल चव्हाण (सदस्य)
7. डॉ. एल.आई लोंढे (सदस्य)

एम.ए. (द्वितीय वर्ष) सेमेस्टर III और IV

M.A. Syllabus According to credit based Grading System

कुल 06 क्रेडिट प्रति कोर्स
कुल 24 क्रेडिट प्रति सत्र } **Per Semester 24x2=48 Credits**

III Semester

Course 2 : आधुनिक काव्य

Course Code- PAHIN 301

पाठ्य पुस्तकें

1. कामायनी - जयशंकर प्रसाद
   (श्रद्धा एवं इड़ा सर्ग)
2. राग विराग - संपादक- डॉ. रामविलास शर्मा
   (सरोज स्मृति, राम की शक्ति, तोड़ती पत्थर, कुकुरमुत्ता)
3. संसद से सड़क तक - सुदामा पाण्डेय धूमिल
   (बीस साल बाद, जनतंत्र के सूर्योदय में, अकाल दर्शन, मोचीराम, कवि 1970, मुनासिब कार्रवाई)

प्रत्येक पुस्तक हेतु- 02 यूनिट । कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

Course 4 : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

Course Code- PAHIN 302

खण्ड (क)

1. भाषा और भाषा विज्ञान
   (क) भाषा - परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य।
   (ख) भाषा-विज्ञान - परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएं।
2. संसार की भाषाओं का वर्गीकरण - आकृतिमूलक, पारिवारिक (भारोपीय परिवार तथा द्रविड़ परिवार के विशेष संदर्भ में)
3. स्वन विज्ञान - स्वरूप, वागवयव और उनके कार्य, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वन परिवर्तन की दिशाएं, स्वन परिवर्तन के कारण, स्वनिम और संस्वन।

खण्ड (ख)

1. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं और उनकी विशेषताएं, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं और उनकी विशेषताएं, आधुनिक भारतीय भाषाएं और उनका वर्गीकरण।
2. हिन्दी का भाषिक स्वरूप- हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था, स्वनिम के भेद, हिन्दी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण

कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

Course 6 : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Course Code- PAHIN.303

खण्ड (क)

1. रस सिद्धान्त - रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पति, साधारणीकरण
2. अलंकार सिद्धान्त की मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण
3. रीति सिद्धांत - रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं।

खण्ड (ख)

1. प्लेटो का काव्य सिद्धांन्त
2. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत
3. सिद्धांत और वाद - आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

Course 8 : जनसंचार माध्यम

Course Code- PAHINA.304

(क)

1. जनसंचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
2. संचार प्रक्रिया के तत्व
3. सामाजिक विकास तथा जनसंचार की भूमिका
4. जनसंचार माध्यमों का विकास
5. जनसंचार माध्यमों के विविध रूप
   - अ- मुद्रित जनसंचार माध्यम
   - आ- श्रव्य जनसंचार माध्यम
   - इ- दृश्य जनसंचार माध्यम
   - ई- नव इलेक्ट्रानिक जनसंचार माध्यम

कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

(ख) : दलित विमर्श एवं साहित्य

Course Code- PAHINB.304

सैद्धांतिक

1. दलित साहित्य की अवधारणा
2. दलित साहित्य का इतिहास
3. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

व्यावहारिक

1- आत्मकथा : जूठन- ओमप्रकाश वाल्मीकि

2- उपन्यास- महानायक बाबासाहेब आंबेडकर - धम्मज्योति चेरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली-110093

कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

(ग) : नाटक

Course Code- PAHINC.304

1. अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र
2. सन्यासी - लक्ष्मी नारायण मिश्र
3. अंधायुग - धर्मवीर भारती

प्रत्येक पुस्तक हेतु- 02 यूनिट । कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

IV Semester

Course 2 : आधुनिक काव्य

Course Code- PAHIN.401

पाठ्य पुस्तकें

1. शंबूक – जगदीश गुप्त
   लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद
2. आंगन के पारद्वार – अज्ञेय
   (बना दे चितेरे, चिड़िया ने, अंत:सलिला, असाध्यवीणा)
3. मुक्तिबोध की प्रतिनिधि रचनाएं – संपादक - अशोक वाजपेयी
   (अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस)

प्रत्येक पुस्तक हेतु- 02 यूनिट, कुल यूनिट- 6, कुल व्याख्यान-60

Course 4 : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

Course Code- PAHIN 402

खण्ड (क)

1. रुप विज्ञान – रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, अर्थतत्व और संबध तत्व, संबन्धतत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, रुपिम और संरूप, रूपिम के भेद।
2. वाक्य विज्ञान – परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के भेद, निकटस्थ अवयव, अंत: केन्द्रिक और बहि: केन्द्रिक संरचना।
3. अर्थविज्ञान- अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थपरिवर्तन के कारण।

खण्ड (ख)

1. हिन्दी की रूप रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास,
   लिंग, वचन और कारक के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपान्तर
2. देवनागरी लिपि: देवनागरी लिपि का विकास, विशेषताएं, त्रुटियां एवं सुधार।

कुल यूनिट-06-कुल व्याख्यान-60

Course 6 : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Course Code- PAHIN 406

खण्ड (क) : भारतीय काव्यशास्त्र

1. वक्रोक्ति सिद्धांत – अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
2. ध्वनि सिद्धांत – स्वरूप, प्रमुख रचनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य।
3. हिन्दी आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा

खण्ड (ख) : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
2. टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण
3. आई.ए. रिचर्ड्स : व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण।

कुल – 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

Course 8 : जनसंचार माध्यम

Course Code- PAHINA.408

1. जनसंचार माध्यम और विज्ञापन
2. जनसंचार माध्यमों की भाषा
   - (अ) मुद्रित माध्यम की भाषा
   - (आ) श्रव्य माध्यम की भाषा
   - (इ) दृक्श्रव्य माध्यम की भाषा
3. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी का प्रयोग
4. माध्यमोपयोगी लेखन : स्वरूप एवं प्रकार
   - (अ) समाचार लेखन
   - (आ) रेडियो नाटक लेखन
   - (इ) उद्घोषणा लेखन
   - (ई) विज्ञापन लेखन
   - (उ) फीचर लेखन
   - (ऊ) रिपोतार्ज लेखन
   - (ए) पटकथा लेखन
   - (ऐ) टेलीड्रामा लेखन
   - (ओ) वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री) लेखन
   - (औ) धारावाहिक लेखन
   - (अं) संवाद लेखन
5. साहित्यिक विधाओं का दृश्य श्रव्य रूपान्तर

कुल – 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

(ख) : दलित विमर्श एवं साहित्य

Course Code- PAHINB. 408

1. आत्मकथा	:	शिकंजे का दर्द - सुशीला टाकभोरे शरद प्रकाशन, कानपुर
2. दलित समाज की कहानियां	:	संपादक - रतनकुमार सांभरिया अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली-02
निर्धारित कहानियां	:	1-भैंस, 2-काल, 3-लाठी, 4-डंक, 5-बात, 6-मुक्ति, 7-खेत, 8-हथौड़ा
3. काव्य संग्रह	:	बस्तियों से बाहर- जयप्रकाश कर्दम अमन प्रकाशन, कानपुर
निर्धारित कविताएं	:	1-नीम, 2-आग के दरिया में, 3-देवभूमि, 4-ढोल, 5-जाति के जंगलों में, 6-बस्तियों से बाहर, 7-उजालों के शहर में, 8-आग

प्रत्येक पुस्तक हेतु-02 यूनिट, कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

(ग) : नाटक

Course Code- PAHINC- 408

1.	लहरों के राजहंस	मोहन राकेश
2.	लड़ाई	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
3.	काल कोठरी	स्वदेश दीपक

प्रत्येक पुस्तक हेतु- 02 यूनिट । कुल - 06 यूनिट । कुल व्याख्यान- 60

Examination

1. External Examination (Semester End Examination) **Total Marks : 60**

2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण)

पुस्तक समीक्षा/प्रकल्प	-	20 अंक
प्रस्तुतीकरण/रचनात्मक कार्य	-	10 अंक
कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता	-	05 अंक
अकादमिक गतिविधियों के संचालन में नेतृत्व कुशलता, शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	-	05 अंक
	कुल योग-	40 अंक

एम.ए. (द्वितीय वर्ष) सेमेस्टर III और IV

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Course II एवं VII के नाटक हेतु

प्रश्न 1. संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	-	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	-	30 अंक
प्रश्न 3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		
- 05 अतिलघुत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से)	-	05 अंक
- 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (तीनों पुस्तकों से)	-	05 अंक
	कुल योग-	60 अंक

Course IV, VI एवं VIII के जनसंचार हेतु

प्रश्न 1. पूछे गए 4 प्रश्नों में से 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	-	40 अंक
प्रश्न 2. पूछी गई 4 टिप्पणियों में से 02 के उत्तर अपेक्षित	-	10 अंक
प्रश्न 3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		
- 05 अतिलघुत्तरी प्रश्न	-	05 अंक
- 05 बहुविकल्पीय प्रश्न	-	05 अंक
	कुल योग-	60 अंक

Course VIII के दलित विमर्श हेतु- (सत्र **III** हेतु)

प्रश्न 1. अवधारणा से पूछे गए 02 प्रश्नों में से 01 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित	-	10 अंक
प्रश्न 2. दोनों पुस्तकों से आंतरिक विकल्प सहित संदर्भ सहित व्याख्या	-	20 अंक
प्रश्न 3. दोनों पुस्तकों से आंतरिक विकल्प सहित प्रश्न	-	20 अंक
प्रश्न 4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		
- 05 अतिलघुत्तरी प्रश्न	-	05 अंक
- 05 बहुविकल्पीय प्रश्न	-	05 अंक
	कुल योग-	60 अंक

(सत्र **IV** हेतु)

प्रश्न 1. संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	-	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	-	30 अंक
प्रश्न 3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		
- 05 अतिलघुत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से)	-	05 अंक
- 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (तीनों पुस्तकों से)	-	05 अंक
	कुल योग-	60 अंक

संदर्भ ग्रंथ-

Course 2 : आधुनिक काव्य
III & IV Semester

ग्रंथ का नाम	लेखक
अज्ञेय : एक अध्ययन	भोलाभाई पटेल
अज्ञेय : कवि और काव्य	डॉ. राजेंद्र कुमार
कविता और समय	अरूण कमल
नई कविता : निराला अज्ञेय और मुक्तिबोध	विद्या सिन्हा
निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ	डॉ. संध्या सिंह
समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में	शशि शर्मा
कामयानी की अंलकृति और अर्थ सौष्ठव	अलका शर्मा
कामयानी : एक पुनर्विचार	ग. मा. मुक्तिबोध
निराला कृति से साक्षात्कार	नंदकिशोर नवल
निराला	रामविलास शर्मा
मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि	डॉ. सुरेश रितुपर्ण
मुक्तिबोध : कविता व जीवन - विवेक	चंद्रकांत देवताले
निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कविताएँ	नंदकिशोर नवल
प्रसाद का काव्य	प्रेम शंकर
मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
कामायनी की आलोचना प्रक्रिया	डॉ. गिरिजा राय
हिंदी काव्य का इतिहास	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास	हेतु भरद्वाज
आधुनिक कविता और युग संदर्भ	शिव कुमार मिश्र
छायावाद : संदर्भ विविधा	डॉ. शीतला प्रसाद दुबे
कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
प्रसाद-निराला-अज्ञेय	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
जयशंकर प्रसाद	नंददुलारे वाजपेयी
कवि निराला	नंददुलारे वाजपेयी
प्रसाद काव्य में बिम्बविधान	डॉ. रामकृष्ण अग्रवाल
कामायनी की आलोचना प्रक्रिया	डॉ. गिरिजा राय
कामायनी की टीका	विश्वंभर मानव
कामायनी भाष्य	डॉ. युगेश्वर
छायावाद और उत्तर काव्यलोक	डॉ. शीतला प्रसाद दुबे
अज्ञेय काव्य में प्राग्बिंब और मिथक	डॉ. सी. एम. राजन
जयशंकर : एक पुनर्मूल्यांकन	विनोद शाही
निराला : एक पुनर्मूल्यांकन	सं. ए. अरविंदाक्षन
निराला का काव्य	डॉ. बच्चन सिंह
अज्ञेय का काव्य	प्रणय कृष्ण
निराला काव्य की छबियां	नंदकिशोर नवल

निराला कवि-छवि	नंदकिशोर नवल
मुक्तिबोध की कविताएँ : बिंब प्रतिबिंब	नंदकिशोर नवल
अंधेरे में : विभिन्न व्याख्याएँ	सुमनिका सेठी
अज्ञेय : कविकर्म का संकट	कृष्णदत्त पालीवाल
युगकवि निराला	डॉ. कृष्णदेव झारी
जयशंकर प्रसाद का गीतिकाव्य	डॉ. शीतला प्रसाद दुबे
मुक्तिबोध की कविता और चिंतन का मूल्यांकन	डॉ. सुधा अग्रवाल
कविता की वापसी और अरूण कमल का काव्य	विधि शर्मा
कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	डॉ. नगेंद्र
निराला का विवेचनात्मक गद्य	डॉ. अमित कुमार राय
नवजागरण एवं छायावाद	डॉ. महेंद्रनाथ राय
कामायनी विमर्श	हरिचरण शर्मा
कविता के नये प्रतिमान	नामवर सिंह
कविता का उत्तर जीवन	परमानंद श्रीवास्तव
समकालीन हिंदी कविता	ए. अरविंदाक्षन

Course 4 :
III & IV Semester

ग्रंथ का नाम	लेखक	प्रकाशक
भाषा विज्ञान	डॉ. भोलानाथ तिवारी	किताब महल, दिल्ली
भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी	विश्वविद्याालय प्रकाशन, वाराणसी
हिंदी भाषा का उद्‌भाव और विकास	डॉ. उदयनारायण तिवारी	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी भाषा	डॉ. भोलानाथ तिवारी	किताब महल, दिल्ली
सरल भाषा विज्ञान	डॉ. अशोक के. शाह	हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली
भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण	डॉ. अंबादास देशमुख	शैलजा प्रकाशन, कानपुर
भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम	डॉ. अंबादास देशमुख	शैलजा प्रकाशन, कानपुर
सामान्य भाषाविज्ञान सैद्धांतिक विवेचन	डॉ. विद्यासागर दयाल	अन्नपूर्ण प्रकाशन, कानपुर
वर्ण विज्ञान	श्री. प्रभात रज्जन सरकार	कलिकाता
भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा	डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री	विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
हिंदी भाषा विज्ञान अंक		केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
हिंदी व्याकरण प्रकाश	डॉ. महेंद्र कुमार राना	हर्षा प्रकाशन, आगरा
भाषा विज्ञान की रूपरेखा	द्वारका प्रसाद सक्सेना	जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
नागरी लिपी. रूप और सुधार	मोहन ब्रज	प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी उद्‌भाव विकास और रूप	हरदेव बाहरी	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भाषा और भाषिका	डॉ. देवीशंकर द्विवेदी	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
सामान्य भाषा विज्ञान	डॉ. बाबूराम सक्सेना	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी भाषा एवं भाषाविज्ञान	डॉ. महावीरसरन जैन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत	डॉ. रामकिशोर शर्मा	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भाषा विज्ञान	सं. राजमल बोरा
भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा स्वरूप का विकास	डॉ. देवेंद्र सिंह
भाषा विज्ञान	रमेश रावत
भाषा और सूचना प्रद्यौगिकी	डॉ. अमर सिंह वधान
भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन	रामगोपाल शर्मा
हिंदी भाषा: कल और आज	पूरनचंद टंडन
हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना	डॉ. अर्जुन तिवारी
भारतीय भाषा विज्ञान	आचार्य किशोरदास वाजपेयी
आधुनिक भाषा विज्ञान	राजमणि शर्मा
हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप	राजमणि शर्मा
भाषा और प्रौद्योगिकी	डॉ. विनोद प्रसाद
भाषा शिक्षण	रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
हिंदी भाषा का इतिहास	डॉ. भोलानाथ तिवारी
हिंदी भाषा की संरचना	डॉ. भोलानाथ तिवारी
राजभाषा हिंदी	कैलाश चंद्र भाटिया
भाषा की उत्पात्ति, रचना और विकास	विनोद दिवाकर
हिंदी व्याकरण	कामता प्रसाद गुरू
हिंदी वर्तनी का विकास	अनिता गुप्ता

Course 6 : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
III & IV Semester

ग्रंथ का नाम	लेखक
1. भारतीय साहित्य शास्त्र	डॉ. बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	डॉ. नगेंद्र
3. साहित्य का मूल्यांकन	डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. रससिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण	डॉ. आनंद प्रसाद दीक्षित
5. रस सिद्धांत	डॉ. नगेंद्र
6. काव्यतत्व विमर्श	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
7. काव्यशास्त्र	डॉ. भगीरथ मिश्र
8. साहित्य शास्त्र	डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय
9. भारतीय समीक्षा सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
10.ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	डॉ. टी. एन. राय
11. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत	डॉ. रामलाल सिंह
12. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	डॉ. रामविलास शर्मा
13. आलोचक का दायित्व	डॉ. रामचंद्र तिवारी
14. हिंदी आलोचना का विकास	नंदकिशोर नवल
15. नामवर के विमर्श	डॉ. सुधीश पचौरी
16. पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
17. पाश्चात्य काव्यशास्त्र	देवेंद्र नाथ शर्मा
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. निर्मला जैन

19. उत्तर अराधुनिकता : कुछ विचार	सं. देवीशंकर नवीन
20. उत्तर अराधुनिकता : साहित्यिक विमर्श	डॉ. सुधीश पचौरी
21. समीक्षा के विविध आधार	सं. डॉ. रामजी तिवारी
22. पाश्चात्य काव्य चिंतन	डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
23. छन्दोलंकार प्रदीपिका	विश्वबंधु शर्मा
24. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा	डॉ. निर्मला जैन
25.हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार	कृष्णदत्त पालीवाल
26. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रतिमान	डॉ. हरीश अरोड़ा

Course 8 : पत्रकारिता
III & IV Semester

खण्ड (क) : जनसंचार माध्यम

ग्रंथ का नाम	लेखक	प्रकाशक
प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम	डॉ . अंबादास देशमुख	शैलजा प्रकाशन, कानपुर
प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम	डॉ. महेंद्र सिंह राणा	हर्षा प्रकाशन, आगरा
समाचार संपादन	सं. रामशरण जोशी्	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
फीचर लेखन स्वरूप और शिल्प	डॉ. मनोहर प्रभाकर	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिक विज्ञापन	डॉ. प्रेमचंद पातंजलि	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रयोजन मूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग	डॉ. दंगल झाल्टे	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
भूमंडलीकरण, निजीकरण और हिंदी	डॉ. माणिक मृगेश	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार	डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
पत्रकारिता और पत्रकारिता	डॉ. अरूण जैन	हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया	तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
पत्रकारिता विविध विधाएँ	डॉ. राजकुमारी रानी	जयभारती प्रकाशन, इला.
प्रयोजन मूलक हिंदी संरचना और प्रयोग	डॉ. दिनेश गुप्त	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
प्रयोजन मूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य	डॉ. नागलक्ष्मी	जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
मीडिया लेखन	विजय कुलश्रेष्ठ	
आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी	डॉ. हरिमोहन	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
इलेक्ट्रानिक माध्यम रेडियो एवं दूरदर्शन	डॉ. राममोहन पाठक	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
समाचार लेखन और संपादन कला	डॉ. हरिमोहन	राधाकृष्ण प्रकाशन
संचार माध्यम लेखन	गौरीशंकर रैणा	राधाकृष्ण प्रकाशन
रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता	डॉ. हरिमोहन	राधाकृष्ण प्रकाशन
मीडिया लेखन	डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र	राधाकृष्ण प्रकाशन

खण्ड (ख) : दलित विमर्श एवं साहित्य

ग्रंथ का नाम	लेखक/प्रकाशक
1. आज का दलित साहित्य	तेज सिंह, अप्रतिम प्रकाशन, हरिनगर, नई दिल्ली
2. आंबेडकरवादी साहित्य का समाजशास्त्र	तेज सिंह, किताब घर, दरियागंज, नई दिल्ली
3. दलित समाज और संस्कृति	तेज सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाना
4. आंबेडकरवादी विचारधारा और समाज	स्वराज प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
5. मराठी दलित साहित्य आत्मकथा के मील स्तंभ	गुलाब राव हाडे
6. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य	पुन्नी सिंह, कमला प्रसाद

7. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	शरणकुमार लिंबाले
8. दलित साहित्य : बुनयादी सरोकार	कृष्णदत्त पालीवाल
9. परंपरागत वर्णव्यवस्था और दलित साहित्य	साक्षांत मस्के
10. दलित साहित्य का समाजशास्त्र	हरिनारायण ठाकुर
11. दलित चेतना : साहित्य	सं रमणिका गुप्ता
12. दलित दर्शन	सं. रमणिका गुप्ता
13. दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकरा	रमणिका गुप्ता
14. दलित हस्तक्षेप	रमणिका गुप्ता
15. दलित चिंतन के विविध आयाम	आ. ल. ऊके
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. दलित विमर्श (हाशिये की वैचारिकी)	सं. उमाशंकर चौधरी
18. दलित विमर्श (हिस्सेदारी के प्रश्न प्रतिप्रश्न)	सं. उमाशंकर चौधरी
19. दलित मुक्ति के प्रश्न वाया मुक्ति पथ	बीरपाल सिंह यादव
20. दलित साहित्य और विमर्श के आलोचक	कँवल भारती
21. दलित विमर्श	डॉ. नरसिंहदास वणकर
22. भारतीय दलित साहित्य	मनोज कुमार पटेल
23. दलित साहित्य : विविध आयाम	डॉ. सुनीता साखरे
24. हिंदी और मराठी का दलित साहित्य : एक मूल्यांकन	डॉ. सुनीता साखरे
25. मुख्यधारा और दलित साहित्य	ओमप्रकाश वाल्मीकि
26. दलित साहित्य : एक मूल्यांकन	चमनलाल
27. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास-हेतु	भारद्वाज
28. हिंदी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय
29. हिंदी उपन्यास : जनवादी परंपरा	सं. कुँवर पाल सिंह
30. साठोत्तर हिंदी उपन्यास	सं. रामजी तिवारी
31. हिंदी काव्य में दलित काव्यधारा	माता प्रसाद

खण्ड (ग) : नाटक

1. नाटकालोचन के सिद्धांत	सिध्दनाथ कुमार
2. भारतेंदु के नाट्यशब्द	डॉ. पुर्णिमा सत्यदेव
3. हिंदी नाट्य परिदृश्य	धीरेंद्र शुक्ल
4. हिंदी नाटक : नई परख	सं. रमेश गौतम
5. भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि	मदन मोहन भारद्वाज
6. हिंदी के नाट्यशिल्पी	शांति मलिक
7. भारतेंदुयुग के नाटकों की शिल्पविधि	शांति मलिक
8. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास	हेतु भारद्वाज
9. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास	डॉ. दशरथ ओझा
10. समकालिन हिंदी नाटक : रंगमंच के परिप्रेक्ष्य में	डॉ. मिथिलेश गुप्ता
11. आधुनिक नाटक : दृष्टि एवं शिल्प	डॉ. देवेंद्र स्वामी
12. समकालिन हिंदी नाटक : सृष्टि एवं दृष्टि	लव कुमार लवकीन
13. भारतेंदु हरिश्चद्रं के नाटकों में व्यंग्य	नरेंद्र अरूण
14. नटशिल्पी शंकर शेष	डॉ. सुरेश गौतम
15. प्रयोगधर्मी नाटककार	जगदीश माथुर
16. हिंदी के प्रमुख नाटककारों के नाटकों में लोकतत्व	डॉ. सत्यवीर सिंह
17. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक	हजारी प्रसाद द्विवेदी

18. हिंदी नाटक	बच्चन सिंह
19. नाटककार भारतेंदु की रंगपरिकल्पना	सं. सत्येंद्र तनेजा
20. नाटककार जगदीशचंद्र माथुर	गोविंदचातक
21. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक	डॉ. रामजन्म शर्मा
22. हिंदी नाटक आत्मसंघर्ष	डॉ. गिरिश रस्तोगी
23. शंकर शेष के नाटकों में संघर्ष चेतना	हेमंत कुकरेती
24. अंधेर नगरी : सृजन विश्लेषण और पाठ	रमेश गौतम
25. शंकरशेष : व्यक्तित्व एवं कृतितत्व	सुनीता मंजनबैल
26. बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच	गिरिश रस्तोगी